

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

१७२ (१७३)

ग्रंथ नाव

कविसंग्रह.

विषय

मराठी काव्य.



Joint project of
Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

क्र.सं. ५

मराठी

काव्य

५१६५/१७३



नाना कवींची काव्ये

नामदेव रामदास
जनी
राकनाथ

नामदेव व समावाइ

अभे



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ का

॥ वे कामना ही वाता ॥ ११ ॥ मोडुनीया वाता ॥

॥२॥७॥ कउनीमृदागंशुंतीधोरा॥ सेउब्र

॥ लक्ष्मीव्यावर्जने ॥ ३ ॥ कुक्कुलमहापा

॥ तकीपतीत ॥ बैसेसीयाचे हीत हे कामाचे ॥

11-871497 271 484871 214871

॥ नामाचियावने ॥ साधन ॥ १७ गचि ॥

71 नीधान हाता

॥ कृष्णगवत ॥ ना. ॥ ततः प्रमवाध ॥ ना. ॥

११ ध्रुम कोण उपपत्तय वा हे को बा उ ॥ निवर्ता

॥ आवधउ पारेनाचु ॥ ३॥ उचड समाधी

॥ द्वासी कथा सो हुं ॥ नरनारी बाबा का

॥ मन्त्रोऽथ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गन्ना भावकी म डे डे कार हो की धुमि फारा।

॥८॥ ये जे ब्रह्मानंद दुःख दुःख नाहि जे

१) लभ्यमाना सा पडला ॥ ६ ॥ दुकालीन
२) मनीषीच्या हातात ॥ व्यापीला येता

॥ हरिभक्त्या च्या ३३ ॥ अथ ॥

(3)

॥ श्री गुरुकारामधसने ॥

॥ संताचे दहीने ॥ आले धन्य अजीदीन ॥ १५ ॥

॥ आली पापता वाढी ॥ दैन्य गेले उठा उठी ॥ १६ ॥

॥ धन आले वही समाधान ॥ पाईकी सावले सु

॥ न ॥ १७ ॥ गुरुकारामधसने ॥ तो चिदीपाकी

॥ दुसरा ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

॥ मुखे बाले प्रसन्न ॥ मनी धन वागीमान ॥

॥ ११ ॥ ओसी पाचि ॥ काय सुख हो

॥ दिली जीवा ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥

॥ तबहुत ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥

॥ सी लोछाग ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥



॥ उमडत सानो हे वमडा जो ना ॥ आळळ
 ॥ हा गणीचा गदेव ॥ नम संव अता चिगादी
 ॥ उधडुन सान द्रीवरी ॥ केळी सेलगादी
 ॥ गीता देवी म ॥ अतक्ष पेड जी ज दी केळी
 ॥ वाद्य ॥ रेड्या मुखी वेद बोळवीले ॥ ८५
 ॥ नामा सगे सर्व सु कतला ही जे म येक
 ॥ वेळा जाई जे आळ दीसी गु ॥ ८६ ॥ आ ॥ ८७
 ॥ धन्य ते वेळ वरि रते योग ॥ ठसे देउनी
 ॥ आग ची गरी ॥ अकविर चोखा
 ॥ मेळा साहार ॥ नाभार रो ही दास
 ॥ २॥ वेळ वरि राव ॥ रान देव ॥ नीवृती
 ॥ आभा वउ धडु ॥ ॥ कामाळ कुलारी
 ॥ मुकुंद भार करी ॥ जे ही देव दारी वस्ती केळी
 ॥ ४॥ सड्जन कसाई पहा ज वासीद ॥ वेळ व
 ॥ ते शुध येकनी ॥ ५॥ सडाई गु जाई ती आ
 ॥ नाम देव ॥ वेळ वाचा राव सजती संत ॥ ६॥
 ॥ तयाचे चरणी ॥ करी नवो वाळणी ॥ सजे द
 ॥ स्त्री जनी शेरी राखी म ॥ ७॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥

॥ सुखे सुखे ता ॥ ७ ॥ ५४ ॥ ६ ॥ ५५ ॥ (५) .

॥ परमेवरी पदा ॥ तुच्छे करी तीस वदा ॥ ५६ ॥

॥ हेचि उयाचे धन ॥ सदा हारीचे स्मरण ॥ ५७ ॥

॥ धुम ईद्र पदा दीक्ष भोग ॥ भोग न कृती

॥ भव रोग ॥ ५८ ॥ सार्व ज्ञो मराज्य ॥ सा

॥ सीका हीना हीका ५९ ॥ गापाता कीचे

॥ आधी पसे ॥ ते दो माने ती वी पसु ॥ ६० ॥

॥ योग सीधी सा ॥ सीवाडे ते वासा

॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥

॥ चिते दुख ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥

॥ सासी व्यावा ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥

॥ रामनामाचे पवाडे ॥ आखडल्या चिवा

॥ आ पळे ॥ ९१ ॥ धन्य तो येक संसारी मवाचे

॥ राम जे उच्यारी ॥ ९२ ॥ राम नारी वी

॥ स्यास उच्यार ॥ आसाधारक कांसा

॥ ९३ ॥ ९४ ॥ तुका हने हारीच्या नामी म

॥ कस कस जातो आली ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

पदकशस्त्रामीने (6)

- ॥ विज्ञानसागरिवाचंइसदुकराबो ॥ सर्वदासुखरूपयाचो ॥
 ॥ अमृतदेहो ॥ १ ॥ चालांगीसंगत्याचागोडअंतरी ॥
 ॥ काटे ॥ अंतरीसाटवीतांभवडुःखआटे ॥ २ ॥ आलक्ष
 ॥ योमवासी ~~भवडुःखतेआटे~~ तापत्रयाविध ॥
 ॥ नासी ॥ सारार्थचकोरासीकरीस्वानंदरासी ॥ ३ ॥
 ॥ प्रकाशजोतगाढीतोडिआविधावेरी ॥ जीवशी ॥
 ॥ वहोयजायकल्पन ॥ उदयअस्तना ॥
 ॥ हीयाससकदांच ॥ सनिवृत्तीतोसर्व ॥
 ॥ नेहोनीकाही ॥ दीनियशुद्ध ॥ के ॥
 ॥ शवस्वामीहा ॥ जन्मतामीजालां ॥
 ॥ स्वयंबोधबुद्ध ॥ ६९ ॥ ६९ ॥
 ॥ आत्मीजाहालोसंन्यासी ॥ राहुगुरुपादापासी ॥ १ ॥
 ॥ शिवाशीखाहेबोडिली ॥ कर्मजानवीतोमीली ॥ २ ॥
 ॥ नांतेवस्त्रेहंसांडिलें ॥ सजनभगवेघेतलें ॥ ३ ॥
 ॥ मृतदयाहेनीवन ॥ तोविकमंडिकुजाहा ॥ ४ ॥
 ॥ निरंजनऐसेकलें ॥ काहीउरांनाहीदीलें ॥ ५ ॥

॥ सत्सुपीमास ॥ धरिजेनीश्वी सदासत्तरेण ॥ ५ ॥
॥ १८ ॥

॥ विष्णु चंद्रनागब्रह्मानारायण ॥ पार्वतीरमण
॥ सदाशिव ॥ १ ॥ दीश वायुसूर्यज्ञानींद्रियान्व
॥ ये ॥ वरुणनीश्वय आरुणतो ॥ २ ॥ तोचीइंद्र
॥ वन्हिवामनप्रजापती ॥ पाचवानैरुतीउदरुछा
॥ नी ॥ ३ ॥ स्थानेवायुयेकविषयहीयेक ॥ जाहा
॥ लेकोतुकेसुद्धमा ॥ ४ ॥ सदासीसुद्धमयेक
॥ अत्माराम ॥ ५ ॥ पसपडले ॥ ५ ॥ ६ ॥

पंढरीनीवातजया ॥ विठोबादारिवाळली
॥ का ॥ १ ॥ विठोबा ॥ माळलीचेवाटी ॥ नी
॥ वीरनेपोटीगर्भबास ॥ २ ॥ नामात्पणेजीहेका
॥ दीनमीरना ॥ आसत्यकेशवाचनहोतां ॥ ३ ॥ ६ ॥
नमदेव

नचताहेलेपाजीपाणी ॥ पटपरीचेमायबहिणी ॥ १ ॥
॥ बाळपालखीकरीस्वर ॥ मातेआलासेनिडाभट ॥ २ ॥
॥ कांगेनागीनहोसीतुंमाये ॥ प्राणव्याकुळकरुमीका
॥ १ ॥ ३ ॥ नामात्पणेचक्रपाणी ॥ वरुणघातलीम्या
॥ लोळणी ॥ ४ ॥ ६ ॥ ६ ॥

(६)

पद अमृतराव

॥ अतामीकैसे करुं वोंकरुं करु ॥ हरिचिह्नकितिजिव
॥ धरु ॥ धृ ॥ तुजविणक्ष पवनगमेमजसी ॥ किती
॥ धरुसीधीरु ॥ १ ॥ आजिचीराजीजातीवैरिणी ॥
॥ काछगवेंनास्करु ॥ २ ॥ अमृतरायवंदुनिपा
॥ य ॥ तुंमायमीलेंकरुं ॥ ३ ॥ ७ ७ ७ ७ ७
॥ संत कपाफळली ॥ आजि हेसंत कपाफळली ॥ ४
॥ विन्नवधुहनीचिन्ननिघालेंवृधिनितिजिनकळी ॥ ५
॥ योगसुखे भवभोग ॥ राजान कळा कळ
॥ ली ॥ २ ॥ अनंदा ॥ मायाब्रंसपणेठ
॥ कळीआजेहे ॥ ६ ॥ ७ ७ ७
॥ दीनादयेलगी ॥ स ॥ एजसी ॥ १ ॥ परिते
॥ अतितजन्मक्षया ॥ गेनागेजाएतथा ॥ २
॥ दहीदेहमिथ्यामास ॥ मक्तयोगीपरमहंस ॥ ३
॥ शुद्धत्मेष्टीरनीर ॥ निव ॥ इतीसारासा
॥ र ॥ १ ॥ ७ ७ ७ ७
॥ हृदयीकपाळ ॥ कालीमाधुर्यसारु ॥ १ ॥ फली
॥ श्राव्नारायेण ॥ देखेसहालआपण ॥ २ ॥ आ
॥ दकतरुंडुःखेंदंडे ॥ साहेक्षमावंतेअंगें ॥ ३ ॥ दृढ
॥ निष्ठाहरिच्यापाडे ॥ शुद्धत्मेनेएकाह्मी ॥ ४

(१)

अंग

॥ श्रुतिगुह्यवर्म ॥ सर्वखलवदं ब्रह्म ॥ १ ॥ असंबोधया ॥
॥ लेसंता ॥ जालें समाधानविता ॥ २ ॥ वासुदेवसर्वमि
॥ ती ॥ एकविधुत्रिजगती ॥ ३ ॥ आद्वितीयपर ॥ नवो
॥ लवेस्मरो ॥ ४ ॥ ६ ॥
॥ कल्पीलें मदलजाये ॥ निर्वकल्पहोउनिराहे ॥ १ ॥
॥ सहजअधेअंतर्वाही ॥ मुरेंनेगळेंतेंकाही ॥ २ ॥ अ
॥ हंष्टएस्तितीभाव ॥ नग्नस्तुस्वयमेव ॥ ३ ॥
॥ असातोचीतोतवें ॥ एकस्मरो ॥ ४ ॥
॥ तीहीदेवजैसपरब्र ॥ गगनीस्तर्यनैसे
॥ विराजती ॥ १ ॥ धन्यत ॥ धन्यतासोपान ॥ ३
॥ पजताधन्यज्ञानदेव ॥ जित्तीज्ञानीहेंवमजा
॥ शोभनी ॥ आलेंलोटांगराचो गदेव ॥ ३ ॥ प्रत्यक्ष
॥ प्रतीक्षानीमटीकेंलवा ॥ रेड्यामुरवीवेदबो
॥ लवीला ॥ ४ ॥ सर्वसुकुताचीउघडोनिज्ञानदृष्टी ॥
॥ कळीसेस्माराटीगीतादेवी ॥ ५ ॥ नामास्मरोसर्व
॥ सखहेलाहीजे ॥ येगदाजायेजेआळंदी ॥ ६ ॥



102 श्री

॥ विश्रांती चंश्च क आ कं दी हे गां व ॥
॥ देव ता चं ना व सि स्थे श्वर ॥ १ ॥ चौं
॥ ज्पा शीं सि स्थे चा सि स्थे बे रीं मे का ॥
॥ तो सु ख सो ह क का य सां गुं ॥ २ ॥
॥ ज्ञा ना चा र सा ज्ञा ने श्व रा ॥
॥ मु र्ति चं ना वा दी ॥ ३ ॥
॥ दि मा ना ची द मा चा व र्धा व ॥
॥ पा हा ती स र ध र्म्य री हु नी ॥ ४ ॥
॥ ना मा स्त्रे ण दे वा च लो त या रा यां ॥
॥ वि श्रां ती भो गा या क ल्म व री ॥ ५ ॥
॥ १ ॥

(11) श्री
 तिमिरमय नमः ॥ आश्रय दारं वै
 तका ॥ कीमी परदेसि ॥ ऐसे जाणा नि
 नासि ॥ दयावंता ऋषिकेश ॥ शरण
 मा लोभी नृज ॥ १॥ न उमासिग ॥ भव
 सी ॥ कष्ट जाह ले त्या मा ते सि ॥ फंदनी
 नीष्टर नाहली कैसी ॥ अंति दुही राहि
 ॥ की ॥ २॥ जे जे वाया सि औ वडे ॥ मुरि
 ॥ पालु नि कहि ता ॥ जे का लो ग
 ॥ ली यम बडु ॥ राहि को ॥ ३॥
 ॥ बहिण व ॥ क ॥ हेत वज
 ॥ जसि दया ॥ ४॥ ॥ यम शं
 ॥ का ॥ अंति दु ॥ क न्या पुत्र हि
 ॥ कयाळ ॥ हेत वसे हा चे ॥ दुजार
 ॥ र्द ना व्या कुळ ॥ अंति दुरा हि ले ॥ ५॥
 ॥ घर देहि नि कामि ॥ तीत वरा हि लि
 ॥ भुवनी ॥ मोत वजळ ॥ नरो स्म शा नि
 ॥ अग्नि सबे ये कर ॥ ६॥ ॥ इष्ट आले
 ॥ मैत्र अ ॥ नेत वस्म शानी परत ले
 ॥ शेर की टाक नि ॥ मज लागे स्म
 ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥

(12)

॥ ऐसा जपेन निनि धीर ॥ मंगमज
॥ अक्कासगहि ॥ दाहिदिशा अंधः
॥ कार ॥ मंगमज काहि न सवे ॥ ८ ॥
॥ ऐसे विचारुनि पाहे ॥ मनुष्य ज
॥ नम मा गुं नाना ॥ नामा लणे पा
॥ ई ठाव देइ गा वि ठा का ॥ ९ ॥



29/6/20
7/2/20
#11
29/6/20

13

॥ विठ्ठलमायेबापा ॥ ७ ॥ परी
॥ साचेमहिमानकैसेरिवाढते ॥
॥ नीमणिनसतेछोहोजरी ॥ २ ॥
॥ कळ्यातरी ॥ केसेनिवा
॥ ठति ॥ नाडिनसति
॥ याचक्राचि ॥ तन्नेपाळण
॥ रायेराजेनपरा ॥ साचिविचा
॥ राख्माह्मातुआम ॥ नामाहणे
॥ साचेतुरासिरोमणि ॥ नीकुरा



(14)

॥ ज्ञानिनामिमांसे वापा ॥ ५ ॥ ७ ॥

॥ विषयाचे आळवेतरी न होतो

॥ देवा ॥ तरी दि ॥ ७ ॥ देवा कोण

॥ ह्मणते तु ॥ ते तयावन

॥ ब्रह्मदेव सो ॥ ते ॥ जरी आ

॥ निन होत ॥ ७ ॥ ७ ॥ सु

॥ जे उष्टरी आमुचे आचर

॥ पाते ते तुल्य भुषण जाले देवा

॥ ७ ॥ नामा ह्मणो ॥ ७ ॥ ७ ॥

(15)

॥ वा ॥ वि चारी क्रि रा वा मा ये वा पा
॥ ४ ॥ ५ ॥

॥ प तित पा व न दे से उ वि न आ
॥ त ता त स ल सा थ प स त
॥ इ ग ॥ पि न र य म चि
॥ क र ण ॥ वि श नि क्रो ण
॥ क्री ति ॥ आ त म ल ठा व ज व
॥ अ वै कं ठा ॥ मा क्षी या आ द र
॥ का ये ज ल ॥ शु ष प ळे से म्मा



Joint project of
The Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(16)

॥ दिल्यास जे आत ॥ घाई नि प
॥ तित काये जालो ॥ नामा ह
॥ णेतु से नवो लो न व म ॥ आ गि
॥ का न नि प्र ॥ ता धा व
॥ सु स्वा ता गि ॥ त क मळ ती
॥ तु प ठ नी सि जा य व वेळ ॥ १ ॥ त
॥ शी तु आ व धा चि सु व र प डो म र
॥ ज न्मो ज न्मि चे श म वि र र सि



मंत्र

(१७)

वसुधैव कुटुम्बकम्

अथ वसुधैव कुटुम्बकम्

हरिहर नमोऽस्तुते

पद्मपुष्प

लोपपद्मः

उद्योगिनः

पद्मपुष्प

हरिहर नमोऽस्तुते

पद्मपुष्प

मध्यरात्रि

पुण्ड्र





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com